

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 27 मार्च, 2009

विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में रा०बा०इ०का० दौलिया, नैनीताल के भवन निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5ख1/52858/जीर्ण-शीर्ण/2008-09; दिनांक: 25 फरवरी, 2009 के संबंध में तथा शासनादेश संख्या: 1625/XXIV-3/07/02(88)/2006; दि० 16.01.2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय बालिका इण्टर कालेज दौलिया, नैनीताल के भवन निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित लागत रू० 66.20 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृत धनराशि रू० 26.20 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रू० 40.00 लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्रश्नगत योजना में शासनादेश संख्या 657/XXIV-3/08/02(37)2008; दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा प्रश्नगत योजनान्तर्गत आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू० 1500.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- (1)- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (2)- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (3)- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4)- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाये।

कमश:.....2

अभि

- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (5)- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- (6)- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (7)- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (8)- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
- (9)- जीपीओडब्लू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। विलम्ब की दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (10)- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- (11)- निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेन्सी उत्तरदायी होगी।
- (12)- उक्त भवन निर्माण कार्य की प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए उक्त कार्य को समयबद्धता के साथ शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण करना तथा भवन विभाग को हस्तान्तरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय, विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा साथ ही निर्माण इकाई के साथ वित्त विभाग के आदेशानुसार निर्धारित प्रारूप पर एमओयू0 हस्ताक्षर कर लिया जाय तथा निर्माण कार्य माह अप्रैल, 2009 तक पूर्ण कर भवन हस्तान्तरण सुनिश्चित किया जाय।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

अभि

2.— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या:11 के अधीन लेखाशीर्षक-4202-शिक्षा, खेल-कूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत-11-रा0हा0 एवं इ0 कालेजों के भवनहीन/जीर्ण-शीर्ण भवनों का निर्माण 24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 967(P)/ वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-3/09; दिनांक: 26 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

/
(डा0 राकेश कुमार)
सचिव

संख्या: 466 /(1)/XXIV-3/09/02(88)2006; तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्य मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल-नैनीताल।
- 7- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 8- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 9- कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 10- जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल।
- 11- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 12- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ,
- 13- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड शासन।
- 14- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 15- गार्ड फाईल।

सचिव

आज्ञा से,



(पी0एल0शाह)
उप सचिव